चिकित्सा रिकार्ड विभाग और प्रशिक्षण केन्द्र, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली

1. केन्द्र के बारे में : सफदरजंग अस्पताल की स्थापना वर्ष 1942 में द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान मित्र सेनाओं के लिए एक बेस अस्पताल के रूप में हुई थी। वर्ष 1954 में इसे भारत सरकार द्वारा स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन लाया गया था । पिछले कुछ वर्षों में यह अस्पताल सबसे बडे तृतीयक (टर्शीएरी) स्तर के बहु-विषयक स्वास्थ्य देखभाल संस्थान के रूप में विकसित हुआ है । यह अस्पताल, आवश्यकताओं और चिकित्सा देखभाल के क्षेत्र में हो रहे विकास के अनुरूप, सभी विशेषज्ञताओं में अपनी नैदानिक और चिकित्सीय सुविधाओं का नियमित रूप से उन्नयन कर रहा है । यह अस्पताल, जिसकी शुरूआत मात्र 204 बैड से हुई थी, में अब 1822 बैड हैं । यह अस्पताल न केवल दिल्ली और पड़ौसी राज्यों के लाखों नागरिकों को, अपितु पड़ोसी देशों के लोगों को भी चिकित्सा देखभाल प्रदान करता है ।

वर्धमान महावीर मेडीकल कॉलेज(वीएमएमसी) की स्थापना भारत सरकार द्वारा नवम्बर, 2001 में सफदरजंग अस्पताल में की गई थी । एमबीबीएस छात्रों के पहले बैच का दाखिला फरवरी, 2002 में हुआ था । वीएमएमसी की स्थापना से पहले भी, सफदरजंग अस्पताल में क्लिनिकल विषयों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम(एमडी/एमएस) चलाये जा रहे थे । प्री और पैरा-क्लिनिकल विषयों में (एमडी/एमएस) पाठ्यक्रमों की शुरूआत वर्ष 2011 में हुई थी । समय के साथ-साथ इसमें (एमडी/एमएस) सीटों की संख्या में वृद्धि हुई है । वीएमएमसी में सुपर स्पेशलाइजेशन(एमसीएच/डी.एम) पाठ्यक्रम भी कराये जा रहा हैं ।

यह अस्पताल खिलाड़ियों के लिए भी स्वास्थ्य देखभाल और फिटनेस सुविधाएं प्रदान कर रहा है। भारत के पहले स्पोर्ट्स इंजरी केंद्र की स्थापना भी वर्ष 2010 में सफदरजंग अस्पताल में हुई थी । भारत की प्रथम नींद प्रयोगशाला (स्लीप लैबोरेटरी) भी इसी अस्पताल में बनाई गई है । भारत के योजना आयोग ने इस अस्पताल के चरणबद्ध विकास की प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है और इसमें अत्याधुनिक आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना है । एक विकास कार्यक्रम के तहत अस्पताल में निकट भविष्य में एक नया आपातकालीन ब्लॉक और सुपर स्पेशयलिटी ब्लॉक बनाया जाएगा।

2. (i) चीकित्सा अभिलेख विभाग(एमआरडी) और प्रशिक्षण केंद्र का ऑरगैनोग्राम :

चिकित्सा अधीक्षक

↓

अपर चिकित्सा अधीक्षक(एमआरडी एंड टीसी)

↓

एसएजी प्रभारी(एमआरडी एंड टीसी)

↓

मुख्य चिकित्सा अधिकारी

↓

चिकित्सा अधिकारी

↓

वरिष्ठ चिकित्सा अभिलेख अधिकारी

↓

चिकित्सा अभिलेख अधिकारी

↓

निदर्शक | सांख्यिकी सहायक

↓

चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन/उच्च श्रेणी लिपिक

↓

अवर श्रेणी लिपिक

↓

नर्सिंग अटेंडेंट

(ii) **चिकित्सा अभिलेख विभाग के कार्यों की रूपरेखा:**

चिकित्सा अभिलेख विभाग के कार्यों का फ्लो चार्ट : अंतरंग रोगी चिकित्सा अभिलेख सेवा के संगठन एवं प्रबंधन के बारे में निम्नलिखित फ्लो चार्ट की सहायता से समझा जा सकता है :-

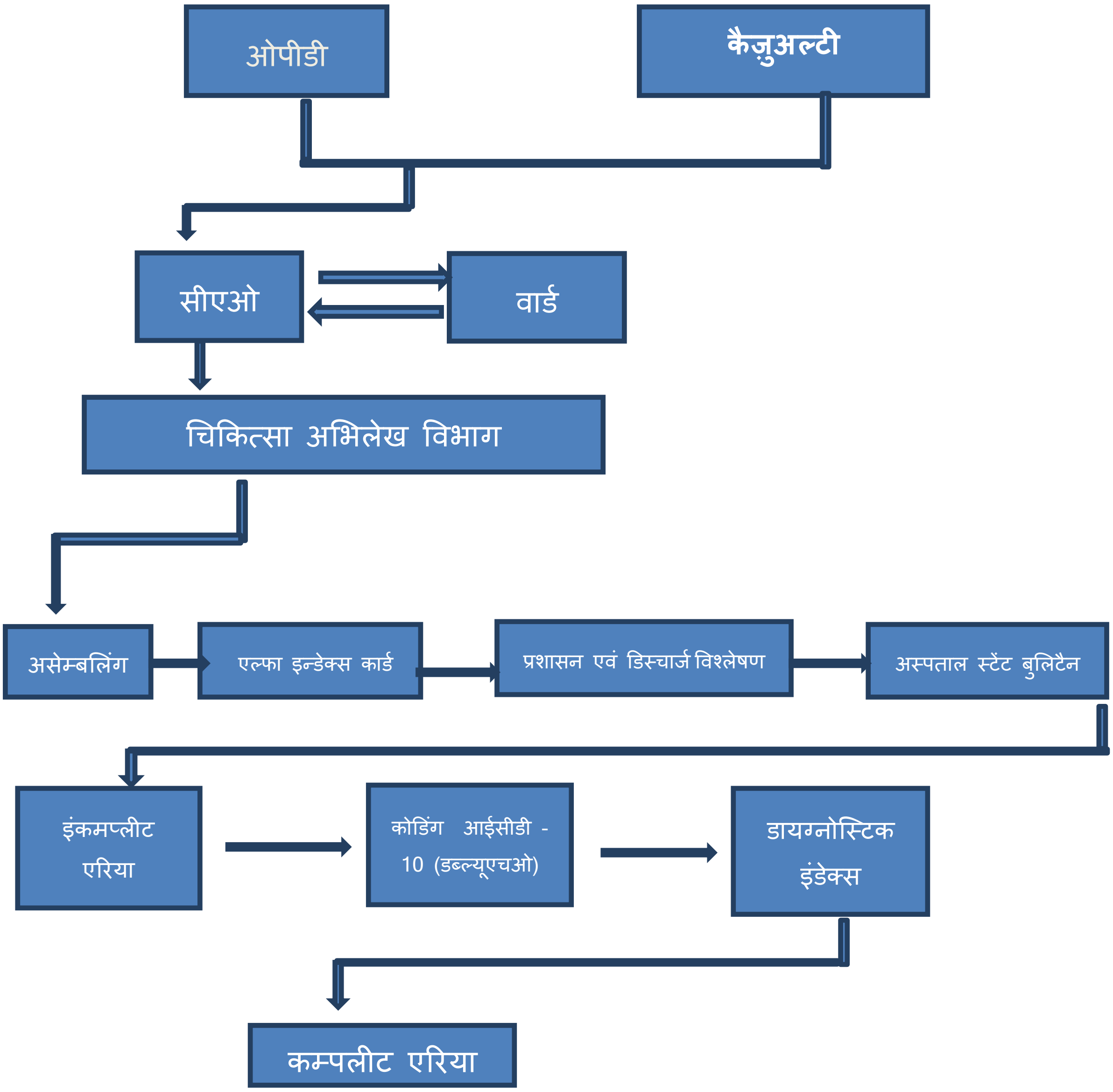

(क) केंद्रीय भर्ती कार्यालय सेवा(सेंट्रल एडमिटिंग ऑफिस सर्विसिज) :

चिकित्सा अभिलेख विभाग चौबीसों घंटे सफदरजंग अस्पताल और वीएमएमसी के सेंट्रल एडिमंटिग ऑफिस का संचालन कर रहा है और निम्नलिखित कार्यों का निष्पादन कर रहा है:-

- ओपीडी और आपातकालीन सेवाओं के माध्यम से अंतरंग रोगियों की भर्ती
- स्वागत सेवाएं, अर्थात अंतरंग रोगी, सार्वजनिक पूछताछ
- कैजुअल्टी पंजीकरण
- जनता के लिए समय के बाद और अवकाश के दिन जांच के लिए अदा नकद राशि को जमा करना।

(ख) जनता को प्रदान की जा रही सेवाएं :

- जन्म एवं मृत्यु प्रमाण-पत्र की प्रथम प्रति नि:शुल्क जारी करना।
- सभी प्रकार के दिव्यांगता एवं बहुदिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी करना।
- बीमा दावों के लिए विधिवत पूर्ण प्रपत्र जारी करना।
- चिकित्सा प्रमाण-पत्र जारी करना।
- अंतरंग रोगियों और बाह्य रोगियों के चिकित्सा उपचार के बिलों की जांच करना।
- उचित प्रक्रिया के बाद चिकित्सा अभिलेखों में अनुज्ञेय संशोधन करना।
- एनडीएमसी को ऑन-लाइन जन्म एवं मृत्यु रिकार्ड प्रस्तुत करना।

(ग) चिकित्सा-विधिक सेवाएं :

- चिकित्सा-विधिक मामलों(एमएलसी) के रजिस्टरों का रखरखाब।
- चिकित्सा-विधिक मामलों(एमएलसी) के संबंध में सम्पूर्ण भारत के विभिन्न न्यायालयों में उपस्थित होना।
- न्यायालय के सम्मनों का वितरण करना तथा संबंधित डाक्टरों को इनके लिए भेजना।
- पुलिस प्राधिकारियों के साथ पत्राचार करना।
- न्यायालयों के निदेश पर चिकित्सा बोर्ड का संचालन।

3. प्रशिक्षण केन्द्र के कार्यों की रूपरेखा:

सफदरजंग अस्पताल के चिकित्सा अभिलेख विभाग एवं प्रशिक्षण केंद्र में चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन (एमआरटी) प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की शुरुआत वर्ष 1973 में और चिकित्सा अभिलेख अधिकारी (एमआरओ) प्रशिक्षण की शुरुआत वर्ष 1978 में की गई थी। इस अस्पताल का चिकित्सा अभिलेख विभाग एवं प्रशिक्षण केंद्र चिकित्सा अभिलेख पेशेवरों के प्रशिक्षण के क्षेत्र में पथप्रदर्शक है तथा यहां प्रशिक्षित कार्मिक भारत तथा अन्य

देशों के जाने–माने विभिन्न संस्थानों में सेवाएं दे रहे हैं। सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के विवरण निम्न प्रकार हैं :

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम का नाम	पाठ्यक्रम की अवधि
1.	चिकित्सा अभिलेख अधिकारी पाठ्यक्रम	एक वर्ष
2.	चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन पाठ्यक्रम	छः माह

4. प्रशिक्षण केन्द्र संकाय:

प्रशिक्षण केन्द्र का संकाय अपने क्षेत्र के पेशेवर हैं और उनका चयन सक्षम प्राधिकारियों द्वारा किया जाता है। चिकित्सा अभिलेख विभाग में प्रतिनियुक्त व्यापक रूप से अनुभवी अधिकारियों व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाता है। इसके अतिरिक्त क्षेत्रीय दौरे तथा प्रश्नोत्तर सत्रों का भी आयोजन किया जाता है।

5. चिकित्सा अभिलेख विभाग एवं प्रशिक्षण केंद्र की अवसंरचना :

चिकित्सा अभिलेख विभाग एवं प्रशिक्षण केंद्र में डिजिटल उपकरणों से युक्त लेक्चर थिएटर, कम्प्यूटर लैब, पुस्तकालय उपलब्ध हैं।

6. अब तक प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थी :

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	वर्ष 2016 तक प्रशिक्षित प्रशिक्षार्थियों की संख्या
1.	चिकित्सा अभिलेख अधिकारी	289
2.	चिकित्सा अभिलेख तकनीशियन	855

7. प्रशिक्षण केंद्र के कर्मचारियों का संपर्क विवरण:

क्रम सं.	नाम	पदनाम	ई–मेल आई डी	संपर्क संख्या
1.	डॉ॰ बलविंदर सिह	चिकित्सा अधीक्षक	msofficesjh@gmail.com	9911919666
2.	डॉ॰ प्रेम कुमार	अपर चिकित्सा अधीक्षक (एमआरडी एंड टीसी)	drpremkumar2008@yahoo.com	9212577407
3.	डॉ॰ वीसी अग्रवाल	एसएजी(एमआरडी एंड टीसी)	vcaggarwal@yahoo.com	9818108840
4.	डॉ॰ शोभना गुप्ता	सीएमओ(एमआरडी एंड टीसी)	dr-guptashbhna@yahoo.com	9811190795
5.	डॉ॰ मोनालिसा बेहरा	एमओ (एमआरडी एंड टीसी)	mrtcsjh@yahoo.com	9953703909
6.	श्रीमती सत्य वीरी देवी	एमआरओ(एमआरडी एंड टीसी)	mrtcsjh@yahoo.com	9910831970

7.	श्री मनीष गुप्ता	निदर्शक	manishg707@gmail.com	9213974785

8. संपर्क करें:

चिकित्सा अभिलेख विभाग एवं प्रशिक्षण केंद्र,
सफदरजंग अस्पताल और वीएमएमसी,
नई दिल्ली-110029
दूरभाष संख्या : 011-26177899 & 011-26190182
ई–मेल: mro.mrd@vmmc-sjh.nic.in